1969" (संशोधित संस्करण) का स्वत्वाधिकार भी श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम हैं। चूंकि इसमें किसी प्रकार की रायल्टी के भुगतान की बात नहीं है, इसलिए इसका कोई वित्तीय निहितार्थ नहीं है।

(ख) और (ग) प्रधानमंत्री के भाषणों पर किसी प्रकार की रायल्टी नहीं दी जाती है। अत: उसे सरकार के पास जमा कराने का सवाल पैदा ही नहीं होता।

Exports of Arms by India

1692. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India is plannig to enter the international arms export market as reported in the Business and Political Observei of 12th August, 1991;

(b) if so, what are the names of the weapons and items proposed to be exported during the current year, and

(c) what are the names of arms buying countries together with the value thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY; OF DEFENCE (SHRI S. KRISHNA, KUMAR): (a) Government have already initiated steps to increase defence exports.

(b) Defence exports cover a wide range of lethal and non lethal items manufactured by the Ordnonce Factory Board and Defence Public Sector Undertakings.

(c) Details of countries to which defence items are being exported cannot be divulged in public inter-est.

Demand for Ampicillin Sodium (Sterile

1693. SHRI MAHD. KHALEELUR RAHMAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 740 given in the Rajya Sabha on 25th July, 1991 and state:

(a) what is the estimated demand for Ampicilin Sodium-Sterile for the period 1991-92;

(b) what are the names of producers of Ampicillin Sodum Sterile and what was the production of each producer during the last three years year-wise;

(c) whether it is a fact that on the basis of recommendation of Government inputs required for its production are allowed for import at a concessional rate of duty- ,

(d) what are the names of inputs and what is the concessional duty on. each;

(e) whether it is a fact that representations for restriction and ban on number of drugs are pending with Government apart from Theop-hyllne; and

(f) if so, names of drugs for which requests received during 1990-91 and what is the present position of each?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) The estimated demand of Ampicillin Sodium during 1991-92 is 91 M. T.

(b) In the organised Sector Ampicilin Sodium is being produced by only one unit viz. Mls. Armour Chemicals. To the extent available, their production is as follows:.

1989-90	1990-91	April, 91	June 9
(MT.)	(M.T.)	(M.T.)	
2	19.5	9.5	

Apart from this, there are a number of producers in the Small Scale Sector, the production of those units is not monitored.

(c> Yes, Sir.

(d) Ampicillin Trihydrate is the main inputs for the manufacture of Ampicillin Sodium Sterile. The foll owing intermediates for the manufac ture of Ampicillin Trihydrate enjoy a concessional duty of 95 per cent.

1. Hexamethyl Disilazone.
2. Trimethyl Chlorosilane.
3. Dimethyl Acetamide.
4. 2.6 Lutidine.

(e) and (f) A number of requests for imposing import restrictions have been received during 1990-91 which were examined taking into consid eration various factor such as indigenous demand, licensed capa city, production, landed and indigen ous price of the items etc. Final de cision in this regard will be taken by the Ministry of Commerce.

कुशल और अकुशल बेरोजगार व्यक्ति

@1693. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुशल और अकुशल बेरोजगार व्यक्तियों की श्रेणीवार और राज्यवार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ख) बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए क्या कार्य-योजना बनाने का विचार है; और

(ग) इस संबंध में चालू वर्ष मे क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) से (ग) रोजगार दफ्तरों में पंजीकृत काम के इच्छुओं का श्रेणीवार (कुशल/अर्द्धकुशल तथा अकुशल) वितरण उपलब्ध है। 31.12.87 को अद्यतन समय बिन्दु जिसके लिए आंकड़ों को एकत्रित किय गया है, राज्यवार दर्शाने वाला विवरण अनुबंध–I में दिया गया है। तथापि इस बात को इंगित किये जाने की आवश्यकता है कि रोजगार दफ्तरों मे पंजीकृत सभी व्यक्ति आवश्यक रूप में बेरोजगार नहीं होते हैं।

आठवीं पंचवर्षीय योजना को 1 वर्ष की अवधि में दस करोड़ रोजगा के अवतर पैदा करने के दीर्घ कालीन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बनाय जा रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त कर के लिए कार्य-नीतियों तथा कार्यक्रमों क ब्यौरे योजना दस्तावेज में शामिल किए जाएंगे।

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 811, 6 सितम्बर, 1991 से स्थानान्तरित।

विकास प्रक्रिया में लगी समूच अर्थव्यवस्था में रोजगार के विशिष लक्ष्यों को साल-दर-साल निश्चित नह किया जाता हैं । किन्तु, विशेष रोजगा कार्यक्रमों के लिए लक्ष्य निश्चित कि जाते हैं। प्रमुख केन्द्रीय/केन्द्र प्रायोजि कार्यक्रमों के तहत वर्ष 1991–92 लिए लक्ष्यों को दर्शाने वाला विवर अनुबंध–II में दिया गया है।